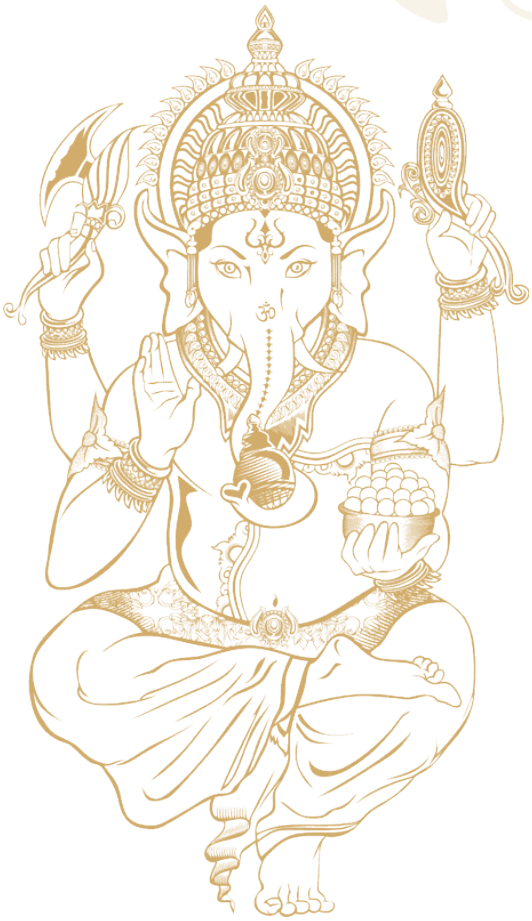

Mr. Jitendra gehlot

Ms. Sheela

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120484801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120484801 Date: 09/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/05/2002	जन्म तिथि	10/11/2005
शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 15:50:00	जन्म समय	18:45:00 घंटे
घटी 24:42:01	जन्म समय(घटी)	29:48:17 घटी
India	देश	India
Sojat River	स्थान	Sojat River
25:53:00 उत्तर	अक्षांश	25:53:00 उत्तर
73:45:00 पूर्व	रेखांश	73:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:35:00	स्थानिक संस्कार	-00:35:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:57:11	सूर्योदय	06:49:41
19:07:03	सूर्यास्त	17:48:07
23:53:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:15
कन्या	लग्न	वृष
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
मकर	राशि	कुम्भ
शनि	राशि-स्वामी	शनि
उत्तराषाढ़ा	नक्षत्र	शतभिषा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	राहु
4	चरण	3
शुभ	योग	ध्रुव
बव	करण	तैतिल
जी-जीवन	जन्म नामाक्षर	सी-सीमा
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
नकुल	योनि	अश्व
मनुष्य	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
सिंह	वर्ग	मेष

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 0वर्ष 5मा 7दि		06:01:14	कन्या	लग्न	वृष	11:06:46	राहु 8वर्ष 6मा 24दि	
राहु		18:55:22	मेष	सूर्य	तुला	24:18:28	गुरु	
10/10/2019		09:01:47	मक	चंद्र	कुंभ	13:39:16	05/06/2014	
09/10/2037		19:27:06	वृष	मंगलव	मेष	19:57:10	05/06/2030	
राहु	22/06/2022	09:42:45	वृष	बुध	वृश्चि	16:04:08	गुरु	23/07/2016
गुरु	15/11/2024	17:26:05	मिथु	गुरु	तुला	09:24:15	शनि	04/02/2019
शनि	22/09/2027	15:27:07	वृष	शुक्र	धनु	11:07:52	बुध	12/05/2021
बुध	10/04/2030	19:54:14	वृष	शनि	कर्क	17:14:35	केतु	17/04/2022
केतु	29/04/2031	24:32:33	वृष	राहु	मीन	19:14:44	शुक्र	16/12/2024
शुक्र	28/04/2034	24:32:33	वृश्चि	केतु	कन्या	19:14:44	सूर्य	05/10/2025
सूर्य	23/03/2035	04:34:20	कुंभ	हर्ष व	कुंभ	12:55:05	चन्द्र	04/02/2027
चन्द्र	21/09/2036	17:04:08	मक	नेप	मक	20:56:24	मंगल	11/01/2028
मंगल	09/10/2037	23:15:10	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	29:05:39	राहु	05/06/2030

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:53:05 चित्रपक्षीय अयनांश 23:56:15

लग्न-चलित

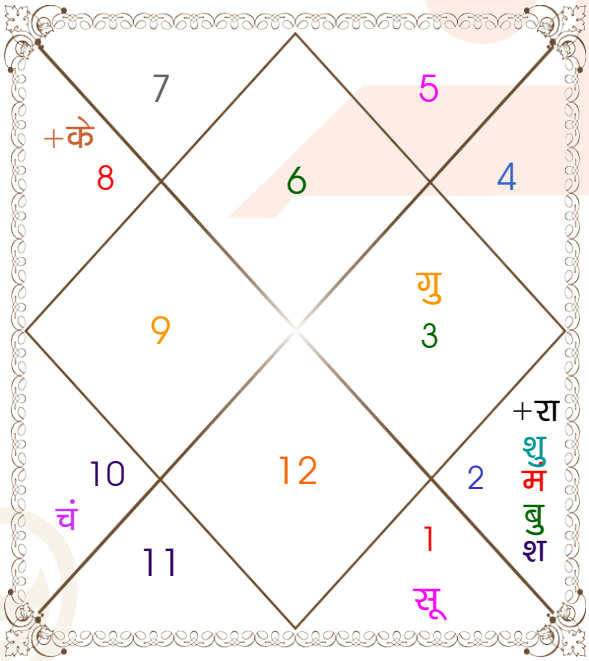

लग्न-चलित

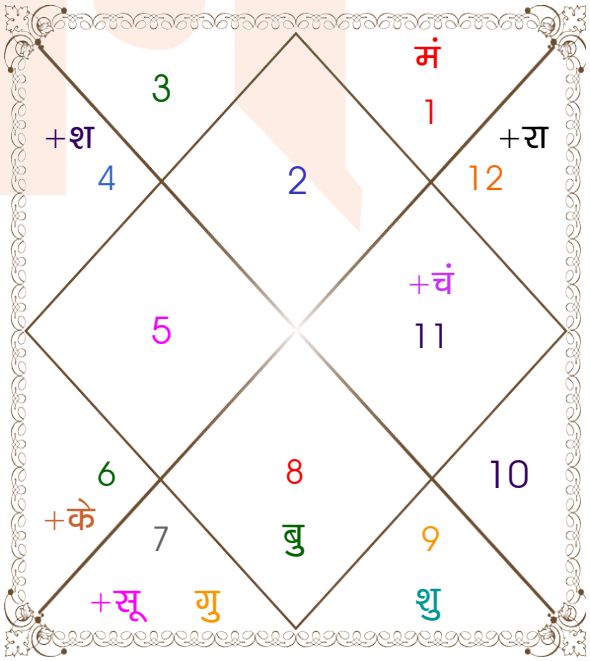

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

कुल : **18.5 / 36**

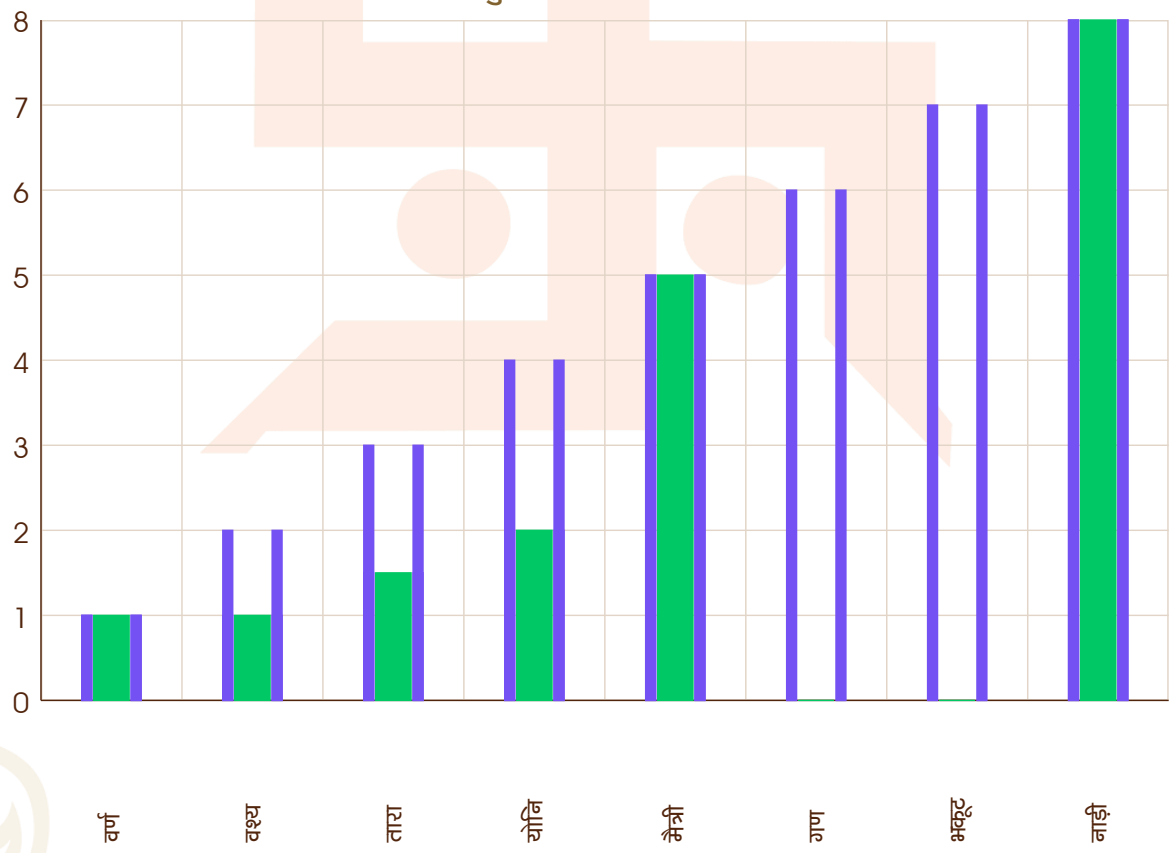

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण श्रपजमदकतं हमीसवज का वर्ग सिंह है तथा Ms. Sheela का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण श्रपजमदकतं हमीसवज और Ms. Sheela का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण श्रपजमदकतं हमीसवज मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Ms. Sheela मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. Sheela कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्ध्;थ्डम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल Ms. Sheela कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डतण श्रपजमदकतं हमीसवज तथा Ms. Sheela में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण श्रपजमदकतं हमीसवज का वर्ण वैश्य है तथा Ms. Sheela का वर्ण शूद्र है। इसमें Ms. Sheela का वर्ण डतण श्रपजमदकतं हमीसवज के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Ms. Sheela अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए Ms. Sheela हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

डतण श्रपजमदकतं हमीसवज का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Ms. Sheela का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार डतण श्रपजमदकतं हमीसवज एवं Ms. Sheela एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Ms. Sheela क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

डतण श्रपजमदकतं हमीसवज की तारा वध तथा Ms. Sheela की तारा क्षेम है। डतण श्रपजमदकतं हमीसवज की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। डतण श्रपजमदकतं हमीसवज बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। डतण श्रपजमदकतं हमीसवज को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Ms. Sheela लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

डतण श्रपजमदकतं हमीसवज की योनि नकुल है तथा Ms. Sheela की योनि अश्व है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव

भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण श्रपजमदकतं हमीसवज एवं Ms. Sheela दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि डतण श्रपजमदकतं हमीसवज एवं Ms. Sheela दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

डतण श्रपजमदकतं हमीसवज का गण मनुष्य तथा Ms. Sheela का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Ms. Sheela का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण डतण श्रपजमदकतं हमीसवज एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

डतण श्रपजमदकतं हमीसवज से Ms. Sheela की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा Ms. Sheela से डतण श्रपजमदकतं हमीसवज की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण डतण श्रपजमदकतं हमीसवज गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। Ms. Sheela समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर डतण श्रपजमदकतं हमीसवज शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

डतण श्रपजमदकतं हमीसवज की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms. Sheela की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। डतण श्रपजमदकतं हमीसवज की अन्त्य नाड़ी तथा Ms. Sheela की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण श्रपजमदकतं हमीसवज की जन्म राशि भूमितत्व युक्त मकर तथा Ms. Sheela की वायु तत्व युक्त कुम्भ राशि है। भूमि एवं वायु तत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनके मध्य स्वभावगत असमानताएं होंगी जिससे संबंधों में मधुरता की अपेक्षा तनाव रहेगा। अतः मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

डतण श्रपजमदकतं हमीसवज की जन्म राशि मकर तथा Ms. Sheela की राशि कुम्भ दोनों का स्वामी शनि है। अतः इनके मध्य मित्रता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहयोग तथा समर्पण का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग प्रदान के लिए तत्पर रहेंगे। डतण श्रपजमदकतं हमीसवज और Ms. Sheela एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे फलतः संबधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुख शांति एवं आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

डतण श्रपजमदकतं हमीसवज एवं Ms. Sheela की राशियां परस्पर द्वितीय द्वादश भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। चूंकि दोनों राशियों का स्वामी एक ही ग्रह है। अतः इसके अशुभ प्रभावों में न्यूनता रहेगी। लेकिन यदा कदा संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा लेकिन बुद्धिमता एवं परस्पर सामंजस्य से कार्य करके अशुभ प्रभावों में न्यूनता करने में समर्थ रहेंगे।

डतण श्रपजमदकतं हमीसवज का वश्य जलचर तथा Ms. Sheela का वश्य मानव है। मानव एवं जलचर में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं अलग होंगी। साथ ही काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे जिससे किंचित परेशानी की अनुभूति होगी।

डतण श्रपजमदकतं हमीसवज का वर्ण वैश्य तथा Ms. Sheela का वर्ण शूद्र है। अतः डतण श्रपजमदकतं हमीसवज की प्रवृति धनार्जन संबंधी कार्यो में रहेगी तथा धन को विशिष्ट महत्व देंगे लेकिन Ms. Sheela किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी।

धन

तारा का डतण श्रपजमदकतं हमीसवज और Ms. Sheela की आर्थिक स्थिति पर कोई विशेष प्रभाव नहीं रहेगा क्योंकि इनकी तारा परस्पर सम है। डतण श्रपजमदकतं हमीसवज एवं Ms. Sheela की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है जो एक भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से आर्थिक सुदृढ़ता में न्यूनता आ सकती है। साथ ही आर्थिक क्षेत्र में मंगल भी विशेष शुभ नहीं रहेगा फलतः भौतिक सुख संसाधनों तथा अन्य आवश्यक सुखों को ये परिश्रम पूर्वक अर्जित करने में ही समर्थ हो सकेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से Ms. Sheela की प्रवृति अनावश्यक व्यय करने की होगी तथा मुक्त हाथों से वह व्यय करेंगी जिससे आर्थिक क्षेत्र में उतार चढ़ाव आएंगे। यदि Ms. Sheela अपनी व्ययशील प्रवृति पर नियंत्रण कर सकी तो स्थिति नियंत्रण में रहेगी तथा जीवन में आनंद एवं सुख की प्राप्ति होगी।

स्वास्थ्य

डतण श्रपजमदकतं हमीसवज का जन्म अन्त्य तथा Ms. Sheela का जन्म आद्य नाड़ी में हुआ है। अतः स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। परन्तु मंगल का दुष्प्रभाव डतण श्रपजमदकतं हमीसवज को समय समय पर न्यूनाधिक रूप से होता रहेगा। इसके प्रभाव से डतण श्रपजमदकतं हमीसवज हृदय संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं रक्त तथा पित संबंधी रोगों से भी पर कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही धातु या मूत्र रोग संबंधी परेशानी की भी संभावना होगी। अतः इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए डतण श्रपजमदकतं हमीसवज को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए। इससे उपरोकत अशुभ प्रभावों में कमी होगी तथा शुभ प्रभावों की प्राप्ति करने में समर्थ रहेंगे।

संतान

संतति के दृष्टिकोण से डतण श्रपजमदकतं हमीसवज और Ms. Sheela का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य भी पर्याप्त अंतर रहेगा फलतः उनका उचित पालन पोषण का अवसर प्राप्त होगा परन्तु इनकी कन्या संतति पुत्र संतति से अधिक संख्या में उत्पन्न होगी।

Ms. Sheela का प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होगा तथा उसमें किसी प्रकार की अतिरिक्त परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा तथापि सावधानी वश Ms. Sheela नियमित रूप से डाक्टरी परीक्षण इत्यादि समय समय पर करवाती रहें। इससे गर्भावस्था का समय सामान्य रहेगा तथा प्रसव काल में बिना किसी समस्या के सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ तथा शांति की अनुभूति करेंगी।

डतण श्रपजमदकतं हमीसवज और Ms. Sheela बच्चों की व्यवहार कुशलता तथा बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे भी अपनी योग्यता से अपने क्षेत्र में निरंतर उन्नति मार्ग पर अग्रसर होंगे। उनके सदगुणों से अन्य सामाजिक जन भी प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे डतण श्रपजमदकतं हमीसवज और Ms. Sheela अपने बच्चों की श्रद्धा तथा आज्ञाकारी भाव से गौरवान्वित। होंगे। साथ ही बच्चे भी माता पिता की आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे। इससे डतण श्रपजमदकतं हमीसवज और Ms. Sheela का पारिवारिक जीवन सुख शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. Sheela के अपनी सास के साथ संबधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से Ms. Sheela को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। Ms. Sheela भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से Ms. Sheela को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए Ms. Sheela उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी Ms. Sheela के मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का Ms. Sheela के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

डतण श्रपजमदकतं हमीसवज की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर डतण श्रपजमदकतं हमीसवज सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन डतण श्रपजमदकतं हमीसवज ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का डतण श्रपजमदकतं हमीसवज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।